कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय .... सामाजिक विज्ञान ....

परीक्षा का दिन.............

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14			
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

19494

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर / अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तकें, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका / ग्राफ / मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भागों के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(1) ⇒ उत्तर ⇒ क्योकि इनसे हमे प्राचीन काल के शासन, वहाँ की संस्कृति के बारे मे पता चलता हैं। इसलिए ये हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।

(2) ⇒ उत्तर ⇒ जयपुर का जंतर-मंतर एक वेद्यशाला है जिसे जयसिंह ने बनवाई थी। जयसिंह ने भारत मे पाच स्थानो - उज्जैन, मथुरा, जयपुर, दिल्ली तथा बनारस मे पांच वेद्यशालाए बनवाई थी, जिसमे से जयपुर की वेद्यशाला सबसे बड़ी है।

(3) ⇒ उत्तर ⇒
आधुनिक युग मे प्रतिनिधि लोकतंत्र दो रूप प्रचलित है:-
(i) प्रत्यक्ष लोकतंत्र तथा
(ii) अप्रत्यक्ष प्रतिनिधि लोकतंत्र।

(4) ⇒ उत्तर ⇒
इंटरनेट वर्तमान मे बहुत प्रचलित है। प्रत्येक व्यक्ति इसके उपयोग को जानता है। इंटरनेट के आधुनिक समय मे निम्न दो लाभ हैं:-
(i) इंटरनेट के माध्यम से हम देश विदेश से जुड़ सकते है।
(ii) इंटरनेट के माध्यम से हम कोई भी चीज या वस्तु के बारे मे किसी भी समय मे पता लगा सकते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(5) ⇒ उत्तर ⇒

राष्ट्रीय आय ⇒

एक देश मे उत्पादन के साधनो के द्वारा एक वित्त वर्ष अवधि उत्पादित अंतिम वस्तुओ व सेवाओ के मौद्रिक मूल्य के योग को ही राष्ट्रीय आय कहते है।

(6) ⇒ उत्तर ⇒

भारत मे वित्त वर्ष अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक है। वित्त वर्ष प्रारम्भ होने पर व्यवसायियों द्वारा अपने खाते आदि का नवीनीकरण किया जाता है।

(7) ⇒ उत्तर ⇒

प्राथमिक क्षेत्र मे वे गतिविधियाँ शामिल की जाती है जो प्रत्यक्ष रूप से प्राकृतिक संसाधनो द्वारा उत्पादन से जुड़ी हो। जैसे:→ डेयरी कृषि खनन, पशुपालन इत्यादि गतिविधियों को प्राथमिक क्षेत्र मे रखा जाता है।

(8) ⇒ उत्तर ⇒

सामान्य कीमत स्तर ⇒

इसका आशय किसी एक वस्तु के मूल्य मे वृद्धि होने से न होकर बल्कि वस्तुओ के समूह के मूल्य मे औसत वृद्धि से है। अर्थात् वस्तुओ के समूहो के मूल्यों मे उत्पन्न

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वृध्दि ही सामान्य कीमत स्तर कहलाती है।

(9) ⇒ उत्तर ⇒

बेरोजगारी ⇒

जब कार्य करने के इच्छुक तथा योग्य व्यक्ति को उसकी योग्यता तथा इच्छा अनुरूप कार्य नही मिलता तो वह व्यक्ति बेरोजगार तथा वह स्थिती बेरोजगारी कहलाती है।

(10) ⇒ उत्तर ⇒

भारत मे गरीबी मापन का प्रयास स्वतंत्रता से पहले 1868 ई० मे दादा भाई नौरोजी द्वारा किया गया था।

(11) ⇒ उत्तर ⇒

एक जागरूक नागरिक के रूप मे हमें उच्च न्यायालय के लिए निम्नलिखित स्वतंत्रताओ की अपेक्षा करती हूँ :→ ① अपीलिय अधिकार

② न्यायिक पुनरावलोकन का अधिकार

③ याचिका जारि करने का अधिकार

⊙ ① अपीलिय अधिकार ⇒ उच्च न्यायालय को जिला स्तरीय न्यायालयों के निर्णयों के विरुद्ध कार्यवाही करने का अधिकार है।

⊙ ② न्यायिक पुनरावलोकन अधिकार ⇒ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशो को विधानमण्डल द्वारा बनाए गए जनता हित विधेयको की समीक्षा करने का अधिकार है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(12) ⇒ उत्तर ⇒

टांका ⇒ पश्चिमी राजस्थान मे प्राचीन काल मे जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन हेतु अपनायी जाने वाली प्राचीन युक्ती है। यह एक गोलाकार तथा 5-6 फीट गहरी संरचना की आकृति होती है। उसकी तली मे राख व बजरी का लेप किया जाता हैं। जिससे जल रिसाव को रोका जा सके। इसके मुँह को पत्थरो अथवा उपलब्ध स्थानीय संसाधनो द्वारा ढँक दिया जाता हैं। यह प्राय घरो अथवा खेतो मे अपनाई जाती है। इसमे छतो तथा आगौर का पानी आकर एकत्र होता है। प्रधानमंत्री जल स्वावलम्बन योजना के तहत जल स्तर बढाने हेतु टाँका, बेरी, कुई, जोहड़ आदि का निर्माण तथा मरम्मत करवाई जाती है।

(13) ⇒ उत्तर ⇒

(i) व्यावसायिक फसलें ⇒ वे फसले जो खाद्यान्न हेतु न बोकर व्यापार हेतु बोई जाती है। अर्थात जिन फसलो को व्यापार करने के उद्देश्य से बोया जाता है और जिनके व्यापार से मुद्रा की प्राप्ति होती है उन्हें व्यावसायिक फसलें कहते है। उन्हें व्यापारिक फसलें, नकदी फसले तथा मुद्रादायनी फसले भी कहा जाता हैं।

(ii) व्यावसायिक फसलो के उदाहरण निम्न हैं ⇒

(1) तम्बाकु
(2) गन्ना
(3) कपास
(4) जूट
(5) रेशम आदि है।

नामांक Roll No.

P-08-Social Science

उत्तर (30) 2)

प्रवेशिका परीक्षा, 2018

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2018

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

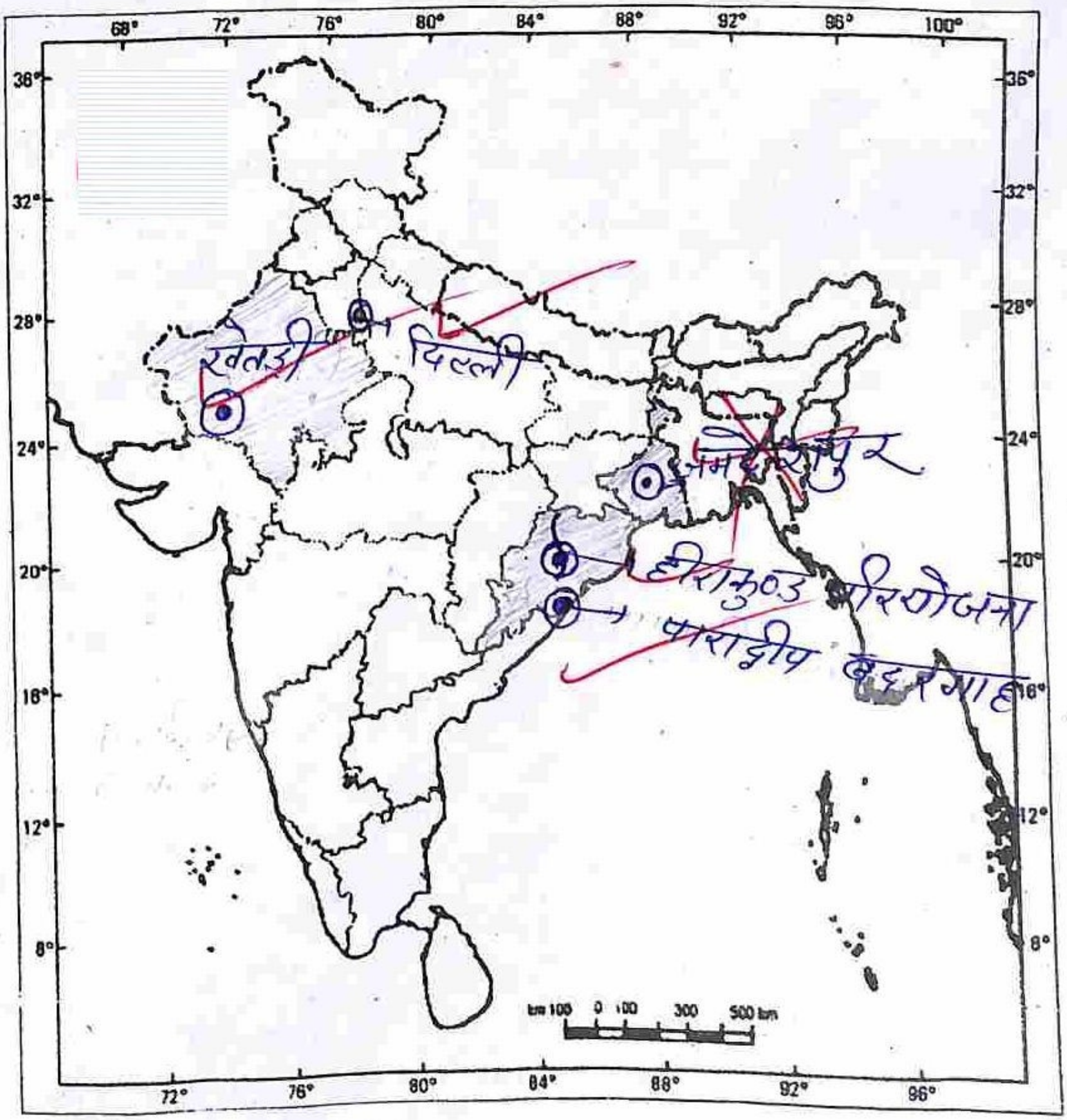

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(14) उत्तर ⇒

धात्विक खनिज ⇒ वे खनिज जिनमे धातु का अंश पाया जाता हो, धात्विक खनिज कहलाते है। लौह धातु की प्रधानता के आधार पर धात्विक खनिजो को दो भागो मे बाँटा जाता है ⇒

(1) लौह धातु प्रधान (2) अलौह धातु प्रधान

(1) लौह धातु प्रधान ⇒ वे धात्विक खनिज जिनमे लौह धातु की प्रधानता पाई जाती हो, लौह धातु प्रधान कहलाते है। जैसे ⇒ क्रोमाईट, लौह अयस्क, पाईराईट, टंगस्टन इत्यादि।

(2) अलौह धातु प्रधान ⇒ वे धात्विक खनिज जिनमे लौह धातु की प्रधानता नही पाई जाती हो, अलौह धातु प्रधान कहलाते है। जैसे :- सोना, चाँदी, एल्युमीनियम चूना, अभ्रक, जिप्सम आदि।

(15) ⇒ उत्तर ⇒

भारत मे उद्योग धन्धे बढ़ते जा रहे है। उद्योग धन्धो से प्रदूषण होता है। इसलिए उद्योग धन्धे बढ़ने के कारण औद्योगिक प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। औद्योगिक प्रदूषण के कारण अनेक बीमारियां फैलती है तथा निर्जीव तथा सजीव प्राणि दोनो इसकी चपेट मे आ रहे है। औद्योगिक प्रदूषण से होने वाला दो प्रभाव निम्नलिखित है।

(i) औद्योगिक प्रदूषण के कारण वायुमण्डल मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अनेक हानिकारक गैसे उपस्थित हो जाती है जिससे अम्लीय वर्षा होती, जो प्रत्येक प्राणी के लिए हानिकारक है।

(ii) औद्योगिक कार्यों मे अत्यधिक अपशिष्ट पदार्थ तथा कीटनाशक इत्यादि पदार्थ होते है जो या तो जल स्रोतो मे डाल दिये जाते है या खुले मे फेंक दिये जाते हैं, जो जैवमण्डल को प्रभावित करते है।

(16) ⇒ उत्तर ⇒

जन्म दर ⇒

एक निश्चित समयान्तराल मे प्रति हजार व्यक्तियो पर जन्म लेने वाले जीवित बच्चो की संख्या जन्म दर कहलाती है।

मृत्यु दर ⇒

प्रति हजार व्यक्तियो पर मृत्यु को प्राप्त होने वाली ~~व्यक्ति~~ व्यक्तियों की संख्या को ही मृत्यु दर कहलाती हैं।

जन्म दर तथा मृत्यु दर मे उत्पन्न असन्तुलन ही जनसंख्या वृद्धि तथा जनसंख्या ह्रास का कारण बनता है।

(17) ⇒ उत्तर

पाइप लाइन परिवहन ⇒ प्रारम्भिक समय मे पाइपो के माध्यम से जल तथा बिजली की आपूर्ति होती थी। परन्तु वर्तमान मे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

पाईपो के माध्यम से पेट्रोलियम, पदार्थ, खनिज तेल इत्यादि का भी परिवहन होने लगा। पाइपो के माध्यम से ठोस खनिज पदार्थों को पिघलाकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जाता है। यह परिवहन का एक साधन बन चुका है। भारत मे भी पाईप लाईन परिवहन को अपनाया गया है तथा व्यापार किया जाता है। जैसे:- डिब्रोई गुहावाटी आदि क्षेत्रो से पेट्रोलियम पदार्थों को परिवहन पाईपो के माध्यम से ही किया जाता है।

(18) ⇒ उत्तर ⇒

हम एक सभ्य नागरिक है तथा एक सभ्य नागरिक होने के नाते सड़क पर चलते समय हमे निम्न बातो का ध्यान रखना चाहिए।

(i) हमे सड़क के बाई ~~ब~~ ओर चलना चाहिए।

(ii) सड़क को जेबरा क्रॉसिंग द्वारा पार करना चाहिए।

(iii) सड़क पर भागना नहि चाहिए बल्कि आराम से चलना चाहिये।

(19) ⇒ उत्तर ⇒

ठोस कचरा प्रबन्धन ⇒

ठोस कचरा प्रबन्ध कार्यक्रम का आशय है कि ठोस वस्तुओ ~~a~~ अर्थात ठोस अपशिष्ट पदार्थों को जैसे: सब्जी के छिलके,

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

कागज, कांच इत्यादि कठोर वस्तुओ को उनके वर्गानुसार अलग-अलग एकत्रित करना चाहिए और उनको उनके प्राथमिक क्रम मे लाने के पश्चात उनके पुर्न उपयोग मे लाने हेतु उनका पुर्नचक्रण किया जाना चाहिए। इसके माध्यम से हम देश को स्वच्छ बनाने मे योगदान दे सकते है।

(20) ⇒ उत्तर ⇒
अगर कल्पना करने पर यदि हमीर देव चौहान के स्थान पर मैं होती तो अलाउदीन खिलीजी के बागियो को अपनी शरण मे ~~आने व~~ नही आने देती क्योकी उन्होने अपने सम्राट के साथ गद्दारी की थी वे चाहे तो हमारे स्थान भी धोखाधड़ी कर अलाउद्दीन से हरा सकते थे। इसलिए उन पर विश्वास करना उचित नही था। लेकिन हमीर देव चौहान हठी व्यक्ति थे उन्होने अपने शरण मे आए विरोधी के व्यक्तियो को वापस नही लौटाया। ~~एक~~ तथा अपने हठ के कारण अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया। यदि मैं वहा होती तो खीलजी के बागियो को वापस लौटा देती क्योकि इससे जन-धन हानि का बचाव होता।
लेकिन हामिर तो हठी थे उन्होने अपने हठ के आगे किसी की नही सुनि जिसके कारण उन्हे मुगलो के अनेक आक्रमणों को सामना

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

करना पड़ा। उनके साम्राज्य की जनता भी बहुत अधिक परेशान हुई तथा वहाँ खाद्य सामग्री का अभाव हो गया। अततः हम्मीर देव चौहान को अपनी पत्नी, पुत्री तथा जनता और अपने जीवन को खोना पड़ा। इसलिए विनाशकाल में बुद्धि से काम लेना चाहिए था। मैं वहाँ होती तो अपने विवेक से कार्य कर खीलजी के बागियो को लौटा देती क्योंकि जो व्यक्ति अपने राजा का नहीं हो सकता तो वह किसी और का कैसे हो सकता है। इसलिए उनको लौटाना उचित प्रतीत होता।

(21) उत्तर ⇒

⊙ मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन ⇒

मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन काबिल-ए-तारीफ है। क्योंकि वहाँ का सम्पूर्ण प्रशासन अनुशासनता का प्रतीक था। वहाँ के प्रत्येक कार्य निर्धारित व्यक्तियो द्वारा किए जाते थे। जैसे:- समाहर्त्ता, सन्निधाता, इत्यादि।

⊙ समाहर्त्ता ⇒ समाहर्त्ता का कार्य उसकी योग्यता अनुसार होता था लेकिन फिर भी उसका कार्य आय-व्यय, बजट, लेखा-जोखा इत्यादि होता था।

⊙ सन्निधाता ⇒ उसका कार्य सम्पूर्ण कार्य भार को सम्भालना होता था।

⊙ केन्द्रीय प्रशासन ⇒ मौर्य कालीन केन्द्रीय प्रशासन मे सम्पूर्ण जनता का एक राजा होता था। जिसे सम्राट कहा जाता था। सम्राट ही सभी निर्णय लिया करता था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

⊙ मंत्रिपरिषद् ⇒ मौर्य कालीन प्रशासन के समय वर्तमान मंत्रिपरिषदानुसार एक मार्गदर्शक समीति होती थी, जो सम्राट को सलाह प्रदान करती है।

⊙ अमीर वर्ग ⇒ तत्कालीन प्रशासन मे समाज दो भागो मे बटा होता है था। – तुर्क तथा गैर तुर्क। अमीर वर्ग के लोग चाहते थे कि सम्राट उनकी राय माने किन्तु दरबार मे अमीरों तथा तुर्कों का प्रभाव घटता बढ़ता रहता था।

(22) ⇒ उत्तर
मैजीनी एक कार्य कुशल व्यक्ति था। वह राजनीति के समस्त पड़ाव जानता था। वह जनता को डरा-धमकार या लालच देकर जनता को अपनी तरफ मिला लेता। इसी विशेषता के कारण उसे इटली के एकीकरण हेतु नियुक्त किया गया था।

◉ इटली के एकीकरण मे मैजिनी का योगदान निम्न है:-
इटली को एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो इटली का एकीकरण कर सके। इसके लिए मैजिनी उचित व्यक्ति था। उसने अपना कर्त्तव्य निभाया। मैजिनी ने इटली के व्यक्तियों को स्वतंत्रता तथा स्वशासन का भाषण दिया तथा इटली की जनता को स्वशासन हेतु उजागर किया। मैजिनी ने पड़ोसी देश को लगान देने का वादा किया था कि उसे इटली एकीकरण मे सहयोग। लेकिन समय रहते मैजिनी

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अपने वादे से पलट गया। इसी प्रकार कुछ पड़ोसी देशो स्वशासन का लालच देकर अपने राज्य मे मिला दिया तथा कुछ शक्तिशाली राज्यों को अपनी शक्ति के बल से तथा भय से अपनी ओर मिला लिया। इस प्रकार कुशाग्र बुद्धि वाले मैजिनी का इटली एकीकरण मे महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

(23) ⇒ उत्तर ⇒

हमारा देश लोकतान्त्रिक राज्य अथवा राष्ट्र है। लोकतांत्रिक राष्ट्र का अर्थ है कि इस देश पर शासन इस देश की जनता ही करेगी। इस प्रकार एक लोकतान्त्रिक राज्य मे प्रत्येक क्षेत्र मे लोकतन्त्र को अग्रणी रखा गया है। इसी प्रकार समाज मे भी लोकतंत्र की आवश्यकता हुई। इसलिए समाज मे सामाजिक लोकतंत्र स्थापित किया गया।

- **सामाजिक लोकतन्त्र** ⇒ समाज के एक प्रकार के रूप मे लोक तंत्र सामाजिक लोकतंत्र कहलाता है। इसका मूल उद्देश्य समाज मे समानता, मित्रता, बन्धुता आदि उत्पन्न करना है।
- **सामाजिक लोकतंत्र हेतु निम्न दशाएँ आवश्यक हैं** :⇒ सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना हेतु आवश्यक है कि समाज मे भाईचारे की भावना हो, यदि जनता मे स्वयं मे अपने आप मे भाईचारे की भावना होगी तो समाज मे लोकतंत्र अपने आप स्थापित हो जाएगा। और एक समाज का सामाजिक लोकतन्त्र होने के लिए इसमे भाईचारे की भावना होना अति आवश्यक है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

समाज मे सामाजिक लोकतन्त्र स्थापित करने हेतु आवश्यक है कि लोगो मे सामाजिक भावना तथा भाईचारे की भावना हो किन्तु इनके साथ से भी अति आवश्यक है कि समाज मे किसी भी व्यक्ति के साथ लिंग, भेद, धर्म, जन्म, सम्प्रदाय, स्थान, ऊँच-नीँच, अमीर-गरीब आदि के आधार भेदभाव न हो तभी एक देश के समाज मे समाजिक लोकतन्त्र की स्थापना हो सकेगी अन्यथा नही। इसलिए समाजिक लोकतन्त्र की स्थापना हेतु उपर्युक्त दशाएँ होना अति आवश्यक है।

उत्तर

(24) ⇒ हम विभिन्न तर्कों के आधार पर कह सकते है कि "भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकाशील अर्थव्यवस्था है।" क्योकि स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद वाले दशको मे भारत सरकार ने भारत को विकसि देशो की श्रेणी मे लाने हेतु अनेक प्रयत्न किये है और इन प्रयत्नो के परिणामस्वरूप हम कह सकते है कि "भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकाशील अर्थव्यवस्था है।" इस कथन की पुष्टि हेतु इसके पक्ष मे निम्नलिखित चार तर्क है:-

1. ⇒ तृतीयक क्षेत्र मे बढ़ोतरी।
2. ⇒ जनसंख्या का शिक्षित स्वरूप।
3. ⇒ कृषि क्षेत्र का घटता महत्त्व।
4. ⇒ जनसंख्या कमी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

① तृतीयक क्षेत्र मे बढ़ोतरी ⇒
प्रारम्भ मे भारत पिछड़ा हुआ देश था लेकिन वर्तमान मे भारत मे रोजगारो को बढ़ावा देने हेतु तथा भारत को विकसित बनाने हेतु तृतीयक क्षेत्र मे बढ़ावा किया गया है। जिसके तहत वर्तमान मे काफी बदलाव देखने को मिलते है। इसलिए तृतीयक क्षेत्र मे हो रही बढ़ोत्तरी को देखकर हम कह सकते है कि "भारत की अर्थव्यवस्था एक विकासील अर्थव्यवस्था है।"

② जनसंख्या का शिक्षित स्वरूप ⇒
प्राचीन काल मे शिक्षा को इतना महत्तव नही दिया जाता था परन्तु अब शिक्षा को अत्याधिक महत्तव दिया जाने लगा है और प्रत्येक बच्चे को पढ़ाया जाता है। एक शिक्षित नागरिक ही अपने देश का सुचारू रूप से संचालन कर सकता है। इस आधार पर हम कह सकते है कि जनसंख्या का शिक्षित होना और साक्षरता दर मे वृद्दि होना विकासील देश के लक्षण है।

③ कृषि क्षेत्र का घटता महत्तव ⇒
भारत मे पूर्वजो के समय से रोजगार हेतु कृषि पर निर्भर रहते आ रहे है लेकिन वर्तमान मे लोग जागरूक हो रहे है और कृषि को छोड़कर अन्य काम धंधो को अपना रहे है। प्राचीन काल मे कृषि क्षेत्र का 74% प्रतिशत था। परन्तु वर्तमान मे घटकर रह 17.03% के

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लगभग ही रह गया है। इस आधार पर हम कह सकते हैं कि हमारा देश विकास के पथ पर गतिशील है।

(4) जनसंख्या कमि ⇒ जनसंख्या कमि के आधार पर हम कह सकते हैं कि प्राचीन काल मे अत्यधिक जनसं० होने के कारण आवास, भोजन, खाद्य सामग्री सभी मे प्रतिस्पर्धा बनी हुई थी। परन्तु वर्त्तमान मे लोग शिक्षित हो चुके हैं तथा अपने परिवार के पोषण हेतु जनन दरों मे कमी कर रहे जिससे प्रतित होता है कि युवा पीढि अत्यधिक समझदार हो गयी है और देश के विकास मे सहयोग दे रही है।

इन चार तर्कों के आधार पर हम कह सकते हैं कि "भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासील अर्थव्यवस्था है।"

(25)⇒ मुद्रा ⇒ किसी वस्तु को खरीदने के लिए हम जिस वस्तु का विनिमय करते हैं, वह मुद्रा कहलाती है अर्थात मुद्रा वह है, जो मुद्रा का कार्य करे। मुद्रा के तीन कार्य निम्न हैं:-

(i) विनिमय का माध्यम
(ii) खाते की इकाई
(iii) भुगतान हेतु माध्यम

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(i) विनिमय का माध्यम ⇒ वर्तमान मे हम कोई भी वस्तु खरीदते हैं तो उसके लिए मुद्रा देते हैं, मुद्रा के इसी गुण को विनिमय का माध्यम कहा गया है।

(ii) खाते की इकाई ⇒ हम किसी वस्तु को खरीदते हैं तो उसे व्यापार पुस्तिका मे दर्शाते हैं तो क्रय की वस्तु का मू० हम मुद्रा के रूप मे दिखा सकते हैं। इसलिए मुद्रा को खाते की इकाई मे भी उपयोग लाया जाता है।

(iii) भुगतान हेतु माध्यम ⇒ मुद्रा द्वारा हम विलम्बित भुगतानों को अदा कर सकते हैं। ऋण एक महत्वपूर्ण स्थगित भुगतान है, जिसे हम मुद्रा के रूप मे चुका सकते हैं।

(26) ⇒ उत्तर

एक जागरूक नागरिक के रूप मे उपभोक्ता शोषण के चार कारण निम्न हैं।-

1. ग्राहकों का अशिक्षित होना।
2. उपभोक्ता द्वारा वस्तु क्रय करते समय रशिद बिल न लेना।
3. वस्तुओ पर पूर्ण जानकारि का अभाव होना।
4. वस्तुओ मे मिलावट होना।
5. वस्तुओ के तौल, माप, मे गड़बड़ी होना।

(27) उत्तर ⇒

श्याम जी कृष्ण वर्मा ⇒ श्याम जी कृष्ण वर्मा पश्चिमी भारत के निवासी थे। उन्होने कैम्ब्रिज

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की तथा बाद मे भारत आए। भारत आने पर उन्होने अंग्रेज अधिकारीयो द्वारा हो रहे अत्याचार को देखा तथा वापस लंदन चले गए। लंदन जाकर उन्होंने भारतीयो के लिए एक संस्था का निर्माण किया जिसमे प्रत्येक भारतीय को 6000 रू० की राशि मिलती थी। इस प्रकार श्यामजी कृष्ण वर्मा पहले व्यक्ति थे जिन्होने भारत से बाहर जाकर अंग्रेज विद्रोह किया।

⊙ दामोदर सावरकर ⇒

दामोदर सावरकर एक महान त्यागी और देश के लिए बलिदानी व्यक्ति थे। जनता ने उन्हे वीर की उपाधि दी इसलिए वे V.D. सावरकर कहे जाने लगे। ये प्रथम व्यक्ति थे जिन्होने सैनिक संघर्ष को भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संघर्ष घोषित किया। इन्होने लाला लाजपत राय आदि मित्रो के साथ मिलकर "मेला" नामक संगठन बनाया तथा विदेशी वस्त्रो की होली जलाई। इसलिए इन्हे कॉलेज से निष्कासित कर दिया गया तथा दो आजीवन कारावास की सजा दी गई।

(28) ⇒ संसद के कार्य एवं शक्तियो निम्न है:-

विधायि शक्तियाँ ⇒

संसद के दोनो सदन मिलकर जनहित मे कानून बनाते तथा उन्हे राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी मिलती। कोई साधारण विधेयक

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

राज्यसभा एवं लोकसभा दोनो सदनों मे पारित किया जाना आवश्यक है। लेकिन धन विधेयक केवल लोकसभा मे पारित होता है। लेकिन इसे राज्यसभा मे भेजा जा सकता है परन्तु लोकसभा इसे खारिज नही कर सकती केवल सुझाव दे सकती है।

⊙ कार्यपालिका सम्बधी शक्तियाँ ⇒ पसंद को कुछ कार्यपालिका शक्तियाँ भी प्रदान है जो ससंद के सदस्य मिल जुलकर करते है। लेकिन लोकसभा को राज्यसभा की तुलना मे कम शक्ति होती है। कार्यपालिका सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है राज्यसभा के प्रति नही।

⊙ संविधान संशोधन सबन्धी शक्तियाँ ⇒ संसद को समवर्ती सूची तथा राज्य सूची मे लिखे कार्यो पर संशोधन कर सकती है। संसद संविधान के किसी भी कानून मे परिवर्तन कर सकती है। इसकी शक्ति संसद को प्राप्त है लेकिन दोनो सदनो द्वारा दो तिहाई बहुत द्वारा यह प्रस्ताव पारित किया जाना आवश्यक है। यदि संसद के किसी भी सदन मे संविधान संशोधन सबंधी प्रस्ताव दो तिहाई बहुमत द्वारा पारित नही होता तो संसद मे संविधान संशोधन सम्बंधी प्रस्ताव गिर जायेगा।

इस प्रकार संसद को अनेक शक्तियाँ प्राप्त है, जिन्हे वे नियमानुसार पूर्ण करती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(31) ⇒ उत्तर ⇒

राज्य विधान परिषद ⇒

राज्य विधान परिषद् विधान म०डल का उच्च सदन है। जो केन्द्र मे राज्य सभा के समान है:-

राज्य विधान परिषद् की शक्तियाँ ⇒

राज्य विधान परिषद् को विधान सभा की तुलना मे कम शक्तियाँ प्राप्त है:-

- विधायी शक्तियाँ ⇒

राज्य विधानम०डल मे कोई विधेयक दोनो सदनो मे पारित होना आवश्यक है, यदि कोई विधेयक विधानसभा मे पारित होने के पश्चात विधान परिषद् मे आता है तो विधान परिषद उसमे कुछ बदलाव कर सकती है। लेकिन उसके बाद पुनः वही विधेयक विधान सभा मे पारित होने के पश्चात विधान परिषद मे आता है और विधान परिषद् उसमे पुनः बदलाव करती है तो वह प्रस्ताव विधान परिषद् द्वारा पारित माना जायेगा। किन्तु धन विधेयक सम्बधी विधान परिषद को कोई अधिकार नही है।

- कार्यपालिका सम्बंधी शक्तियाँ ⇒

विधानम०डल के सदन विधान सभा मे से चुने हुए सदस्य मिलकर कार्यपालिका का निर्माण करते है।

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

इसलिए कार्यपालिका विधान सभा के प्रति पूर्ण रूप से उत्तरदायी होती है। लेकिन कार्यपालिका विधान परिषद् के प्रति उत्तरदायी नही होती। परन्तु विधान परिषद् कार्यपालिका द्वारा इत्यादि पूछे जा सकते हैं लेकिन कार्यपालिका विधान सभा परिषद् को उत्तर देने हेतु बाध्य नही है।

<u>संविधान संशोधन सम्बन्धी शक्तियाँ</u> =>
संविधान मे संशोधन हेतु राज्य विधानमण्डल को कोई अधिकार प्राप्त नही है। संविधान मे संशोधन का अधिकार केवल संसद को ही है। समवर्ती सूची मे संसद द्वारा संशोधन करने हेतु विधानमण्डल द्वारा निर्णायक मत लिये जाते हैं। जिसे विधान मण्डल द्वारा अस्वीकृत भी किया जा सकता है लेकिन खारिज नही कर सकती। इस प्रकार विधानमण्डल को संविधान संशोधन हेतु कोई अधिकार प्राप्त नही है क्योकी इसकी प्रक्रिया जटिल है।

समाप्त